बातचीत

न. 03/2026 भारतीय थलसेना का प्रकाशन मार्च 2026

राष्ट्र निर्माण
सुरक्षा - विकास - एकता

मानवीय सहायता और भारतीय

वर्ष 2025

प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता

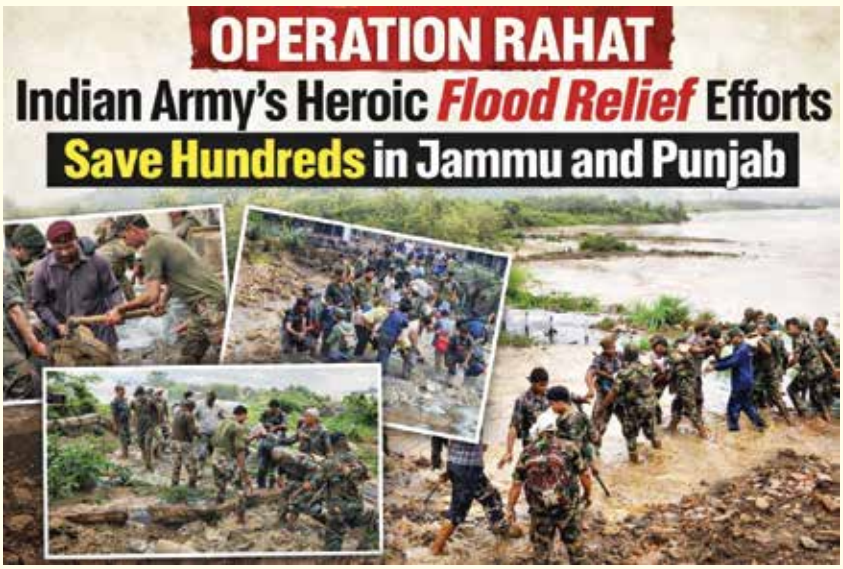

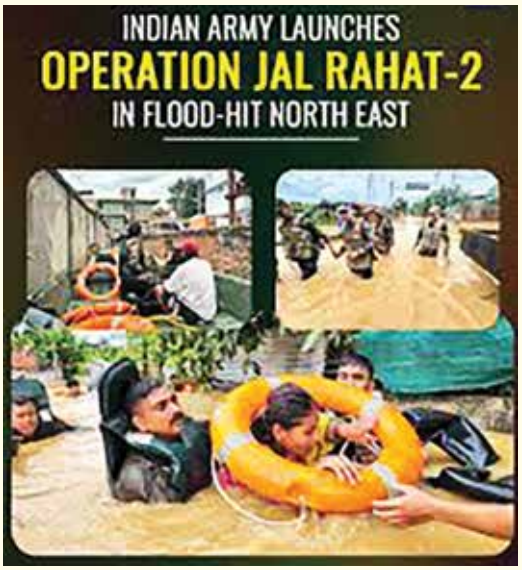

श्रीलंका और म्यांमार में सबसे पहले राहत और सहायता

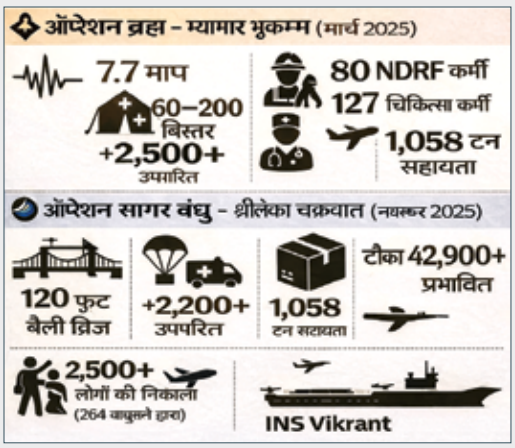

ऑपरेशन ब्रह्मा

म्यांमार में फील्ड अस्पताल की स्थापना और चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति

ऑपरेशन सद्भाव

म्यांमार को 53 टन आपात सहायता

ऑपरेशन बंधु

श्रीलंका को सहायता, पुनर्निर्माण और चिकित्सा टीमें

आपदा राहत अभियान सेना द्वारा के दौरान

प्रमुख सहायता अभियान

असम
कोयला खनिकों का बचाव
जनवरी 25

मणिपुर त्रिपुरा
बाढ़ सहायता ऑपरेशन जून 25

उत्तराखंड
चमोली जिले के हिमस्खलन में बचाव अभियान 25 फरवरी और धराली में बादल फटने पर सहायता, अगस्त 25

पंजाब और जम्मू
बाढ़ राहत अभियान अगस्त 25

महाराष्ट्र
बाढ़ राहत अभियान, सितंबर 25

साल 2025 में भारतीय सेना ने **10 राज्यों में 80** से अधिक जगहों पर इंजीनियर टास्क फोर्स सहित **141** दल तैनात किए।

बुनियादी ढांचे का विकास

VIBRANT VILLAGE PROGRAMME II
VISIONIAS
NEWS TODAY
5th April, 2025
Cabinet Approves "Vibrant Villages Programme-II
SC quashes 25,000 W.B. staff appointments
6th BIMSTEC Summit
India-Thailand Strategic Partnership
SC Orders Probe into Violations of Forest Laws

BRO breaks its own record, builds world's highest motorable road at 19,400 ft in Ladakh
• Road at 19,400 feet at Mig La Pass.
• BRO surpasses its own Guinness World Record set at Umling La (19,024 ft).

जीवंत ग्राम कार्यक्रम - विकास द्वारा भारत की सीमाओं को मजबूत करना
सीमा सड़क संगठन प्रति वर्ष 75000 स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करता है
दूरदराज के 61 स्थानों पर 4 जी संचार सुविधा
जोजिला और सेला सुरंग
पिछले एक साल में 1200 कि.मी. रोड, 6.5 कि.मी. पुलों का निर्माण
300 दोहरे प्रयोग वाली परियोजनाएं

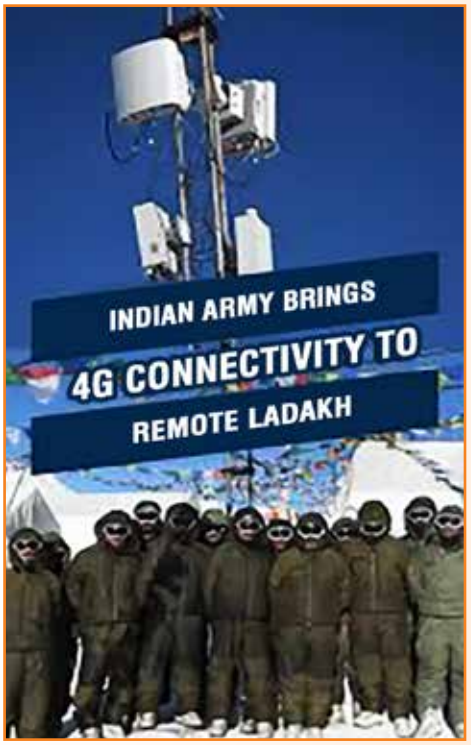
INDIAN ARMY BRINGS
4G CONNECTIVITY TO
REMOTE LADAKH

SELA TUNNEL

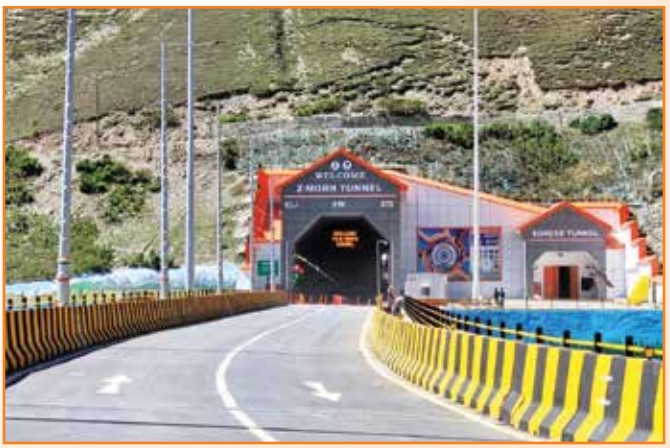

आत्मनिर्भरता

अगले 5-10 वर्षों में 5,00,000 करोड़ रुपये का समग्र सकारात्मक प्रभाव

1,500 से अधिक उद्योगों, 200+ प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और 50 आर एंड डी संस्थानों की मैपिंग

450 परियोजनाएँ जिनमें 550 से अधिक घरेलू भागीदार शामिल हैं

98% प्रकार के गोला-बारूद और 97% एससीएमई का स्वदेशीकरण

पूंजी का 88% (68,000 करोड़) और आधुनिकीकरण परियोजनाओं का 95% (21,700 करोड़) भारतीय उद्योगों को

भारत के रक्षा क्षेत्र के साथ साझेदारी

अग्नि और पृथ्वी मिसाइलें
भारत की सामरिक क्षमताओं को बढ़ाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियाँ.

आकाश मिसाइल प्रणाली
वायु रक्षा के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली.

अर्जुन एमबैटी
उन्नत मारक क्षमता और सुरक्षा के साथ स्वदेशी मुख्य युद्धक टैंक.

लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर
भारतीय सेना और वायु सेना की परिचालन आवश्यकताओं के लिए विकसित.

नेत्रा यूएवी
निगरानी अभियानों के लिए स्वदेशी मानव रहित हवाई वाहन.

अग्नि और पृथ्वी मिसाइलें
भारत की सामरिक क्षमताओं को बढ़ाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल

आकाश मिसाइल प्रणाली
वायु रक्षा के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली.

अर्जुन एमबीटी
उन्नत मारक क्षमता और सुरक्षा के साथ स्वदेशी मुख्य युद्धक

लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर
भारतीय सेना और वायु सेना की परिचालन आवश्यकताओं के लिए विकसित.

नेत्रा यूएवी
निगरानी अभियानों के लिए स्वदेशी मानव रहित हवाई वाहन.

ऑपरेशन सद्भावना

खेल योजनाएं

- 140 से अधिक खेल कार्यक्रम
- 'खेलो इंडिया' योजना को बढ़ावा देना
- प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें प्रोत्साहन देना

कौशल विकास

- वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स (वीटीसीज) में महिलाओं सहित 2,500 से ज्यादा स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण दिया गया
- कंप्यूटर, हस्तशिल्प, सिलाई, बुनाई और बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयरिंग में कौशल प्रशिक्षण

बुनियादी ढांचे का विकास

- जीवन को सुविधाजनक बनाना
- बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना
- ग्रीन हाउस, रेन शेल्टर्स, हाइब्रिड पावर प्लांट, ग्रेजियर हट्स, सोलर लाइट का निर्माण कार्य

स्वास्थ्य सेवा योजनाएं

- 150 से ज्यादा चिकित्सा शिविर
- 90 से ज्यादा पशु चिकित्सा शिविर
- स्वस्थ और रोग-मुक्त जीवन को प्रोत्साहन

सीखने के माध्यम से नेतृत्व

386 आर्मी और 39 आशा स्कूल

11,000 शिक्षक और 3 लाख से अधिक छात्र

33 सैनिक स्कूल, 5 मिलिट्री स्कूल और आरआईएमसी

आर्मी इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए चुने गए 58 स्कॉलर्स

विद्यांजलि योजना के तहत अपनाए गए 148 स्कूल

जम्मू और कश्मीर में 12 प्रोफेशनल कॉलेज और 47 आर्मी गुडविल स्कूल

परंपरा को जोड़ने वाले सूत्र

सेवा संस्कार सुरक्षा

सीमा के त्यौहार

- गोरसम, लोसार और शिना
- हॉर्नबिल और शिरुई लिली
- लद्दाख महोत्सव
- कच्छ का रण महोत्सव

विरासत और संस्कृति

- वंदे मातरम वर्षगांठ
- रणभूमि श्रद्धांजलि यात्रा
- संग्रहालय और सांस्कृतिक केंद्र

सीमाओं के रक्षक → **संस्कृति के रक्षक** → **राष्ट्र सर्वोपरि, सदैव**

युवा और फिटनेस

- स्थानीय खेल उत्सव
- तवांग अंतर्राष्ट्रीय मैराथन
- साइकिल अभियान

सामुदायिक सशक्तिकरण

- सामुदायिक रेडियो स्टेशन
- प्रवेश परीक्षाओं के लिए कोचिंग

पारिस्थितिक संरक्षण

चुशुल में ग्रीन हाइड्रोजन पावर प्लांट

91 मेगावाट बिजली उत्पादन करने वाले 68 सौर प्रोजेक्ट स्थापित

गंगा और गोमती का पुनरुद्धार

26 अमृत सरोवर, 700 जल निकाय और दो दलदली क्षेत्र

'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत 75,000 पेड़

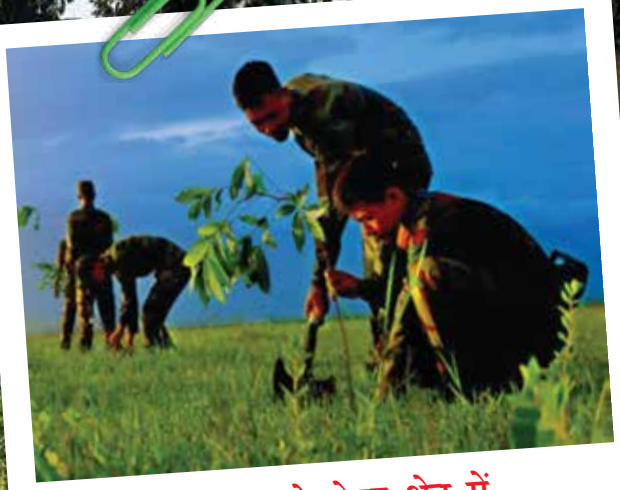

94,000 हेक्टेयर क्षेत्र में 10 करोड़ पौधे

हमारा विजन

कार्बन उत्सर्जन में कमी, सतत विकास, हरित प्रथाएँ, पर्यावरण के साथ गहरा संबंध तथा संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी

रणभूमि से परे चैंपियन

बेहतरीन आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट; तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती आदि में प्रतिभा को निखारना

पेरिस ओलंपिक्स में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक – लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज चोपड़ा

26वीं एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप: भारतीय सेना के एथलीटों ने भारत को 8 स्वर्ण, 10 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुँचाने में मदद की

नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में भारतीय सेना के एथलीटों का दबदबा रहा, जिन्होंने 3 स्वर्ण, 6 रजत और 2 कांस्य पदक (6 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन) जीते

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

थलसेनाध्यक्ष ने 03 मार्च 26 को 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस' (आईआईएमयूएन) के नए ऑफिस चौंबर्स का उद्घाटन किया। यह युवाओं की भागीदारी और नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

थलसेनाध्यक्ष ने 03 मार्च 26 को मऊ स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में 26वें जॉइंट कैप्सूल (जेओसीएपी 26) के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने भविष्य के सैन्य नेतृत्व को प्रेरित किया कि वे अपेक्षित बदलाव के लिए एक प्रेरणा बनें और राष्ट्र निर्माण के लिए समग्र राष्ट्र के दृष्टिकोण का लाभ उठाने हेतु एक एकीकृत और अभिनव कार्यप्रणाली अपनाएँ।

आईटीबीपी के महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर ने 13 मार्च 26 को थलसेनाध्यक्ष से मुलाकात की और उन्होंने भारत की उत्तरी सीमाओं को और मजबूत करने, ऑपरेशनल तैयारियों को बढ़ाने, सीमावर्ती समुदायों के लिए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और विभिन्न बलों के बीच बेहतर तालमेल के जरिए उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की।

थलसेनाध्यक्ष ने 29 मार्च 26 को गोपालपुर स्थित आर्मी एयर डिफेंस कॉलेज (एएडीसी) का दौरा किया। उन्हें युद्ध की बदलती अवधारणाओं के अनुरूप अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। इन सुविधाओं में आधुनिक कार्यप्रणालियों के साथ-साथ व्यावहारिक, अनुसंधान-आधारित और नवाचार-संचालित शिक्षण को भी शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स की 'चीफ ऑफ जॉइंट कैपेबिलिटीज', लेफ्टिनेंट जनरल सुसान कोयल ने 12 मार्च 26 को थलसेनाध्यक्ष से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने और संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाने पर चर्चा की।

'यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी पैसिफिक' (यूएसएआरपीएसी) के डिप्टी कमांडिंग जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वोवेल ने 12 मार्च 26 को थलसेनाध्यक्ष से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

माननीय रक्षामंत्री ने 19 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन 2026' के दौरान 'डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज' (डीआईएससी-14) के 14वें संस्करण और 'एसिंग डेवलपमेंट ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज' (एडीआईटीआई) चुनौतियों के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया।

असम राइफल्स ने 22 से 30 मार्च 2026 तक गुरुग्राम स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप सेंटर में आयोजित 26वीं 'अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता' (एआईपीडीएम) 2025-26 में असाधारण निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में असम राइफल्स ने 'समग्र चौंपियनशिप' का खिताब जीता, जिसमें 05 स्वर्ण और 04 कांस्य पदक शामिल थे; इसके साथ ही टीम ने 'राइफल में सर्वश्रेष्ठ' और 'पिस्तौल में सर्वश्रेष्ठ' के खिताब भी अपने नाम किए।

भारतीय सेना ने 13 मार्च 2026 को नई दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में नेशनल सेंटर फॉर एडीटिव मैन्युफैक्चरिंग (एनसीएएम) द्वारा एडीटिव मैन्यूफैक्चरिंग पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

भारतीय सेना ने 03 से 08 मार्च 2026 तक 41 भारतीय रेलवे परिवीक्षाधीनों के लिए एक सप्ताह का 'अटैचमेंट प्रोग्राम' शुरू किया। इसका उद्देश्य नेतृत्व, लॉजिस्टिक्स और राष्ट्रीय सुरक्षा पर संवाद को बढ़ावा देना, तथा उन्हें परिचालन की बारीकियों और फील्ड फॉर्मेशन्स से परिचित कराना था।

सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर ने 04 मार्च 2026 को श्रीलंका का दौरा किया तथा श्रीलंकाई सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लसनथा रोड्रिगो के साथ बातचीत की। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों और साझा हितों के पहलुओं पर सार्थक चर्चा की तथा पेशेवर अनुभव और विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारतीय सेना और फ्रांसीसी सेना के बीच 09 और 10 मार्च 2026 को नई दिल्ली में विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आधुनिक युद्ध में लंबी दूरी के वेक्टर्स (एलआरवीज) और प्रिसिजन गाइडेड म्युनिशंस (पीजीएम) के उपयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अभ्यास लामीटाई, भारत-सेशेल्स संयुक्त अभ्यास का 11वां संस्करण, 09-20 मार्च 26, सेशेल्स रक्षा अकादमी।

अभ्यास द्वीप शक्ति त्रि-सेवा अभ्यास - तुरंत जवाब देने के लिए एकीकृत क्षमता, 24 से 28 मार्च 26, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।

जूनियर अधिकारियों के लिए भारतीय सेना का मोर्टार कोर्स 10 मार्च 26 को इन्फैंट्री स्कूल, मऊ में संपन्न हुआ। भारतीय छात्रों के अलावा, तंजानिया, नाइजीरिया, आइवरी कोस्ट और मालदीव जैसे मित्र देशों के सात छात्रों ने भी इस कोर्स में भाग लिया।

अभ्यास धर्मा गार्डियन 2026, भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास का सातवां संस्करण, 24 फरवरी-08 मार्च 26, फॉरेन ट्रेनिंग नोड, चौबटिया, उत्तराखंड।

अभ्यास सर्वत्र प्रहार समग्र क्रॉसिंग, ब्रिजिंग, ब्रीचिंग और विध्वंस कार्य, 10 मार्च 26, पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, जैसलमेर।

ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज, एएमसी सी एंड सी लखनऊ में आयोजित पांच दिवसीय 'योद्धा रक्षक कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर' (वाईआरसीसीसी) कैप्सूल कोर्स 13 मार्च 26 को संपन्न हुआ। सभी आर्म्स और सर्विसेज के 30 अधिकारियों को अभियानों के दौरान युद्धक क्षमता बनाए रखने के लिए 'टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर' में प्रशिक्षित किया गया।

पूर्व सैनिक कॉर्नर

थलसेनाध्यक्ष ने 09 मार्च 26 को वेलिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान पाँच विशिष्ट पूर्व सैनिकों को 'वेटरन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया।

असम राइफल्स ने 26 मार्च 26 को असम रेजिमेंट की तीसरी बटालियन के एक विशिष्ट पूर्व सैनिक, पद्म श्री हवलदार लालबियाकथंगा पचुआऊ (सेवानिवृत्त) का 99वाँ जन्मदिन मनाया।

बनबसा मिलिट्री स्टेशन ने 07 मार्च 26 को एक भव्य पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया, जिसमें चंपावत, ऊधम सिंह नगर और नेपाल से लगभग 1500 पूर्व सैनिक, वीर नारियाँ और आश्रित शामिल हुए।

चेतक कोर ने 08 मार्च 2026 को चूरू में 'गौरव सेनानी समारोह' नामक एक विशाल पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया। राजस्थान के चूरू जिले की आठ तहसीलों से 10,000 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीर माताओं ने इस रैली में भाग लिया।

गजराज कोर ने 09 मार्च 26 को असम के घोरामारी में एक विशाल पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया, जिसमें बिश्वनाथ और सोनितपुर से 4000 से अधिक सम्मानित पूर्व सैनिक, वीर नारियाँ और उनके परिवार शामिल हुए।

वाराणसी मिलिट्री स्टेशन पर 39 गोरखा प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 13-14 मार्च 26 को एक पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें 750 से अधिक पूर्व सैनिक, वीरांगनाएँ और उनके परिवार शामिल हुए।

चाचरो पर आक्रमण (1971 का युद्ध)

1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान, 10 पैरा (एसएफ) को दुश्मन के इलाके में काफी अंदर तक घुसकर, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कई महत्वपूर्ण आबादी वाले केंद्रों और सैन्य दृष्टि से अहम जगहों पर कब्जा करने में मदद करने का काम सौंपा गया था। यह काम काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि इस यूनिट को एक अनजान इलाके में, वायु सेना और भारतीय आर्टिलरी गनों के सहयोग के बिना अकेले ही काम करना था। हालाँकि उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं, लेकिन बटालियन के पास खुले मैदान में आगे बढ़ने के लिए टैंक या ट्रैक वाले वाहन नहीं थे। इसके अलावा, उनके पास हवाई या सैटेलाइट तस्वीरें, बिना हथियार वाले विमान या ड्रोन जैसी कोई भी तकनीकी मदद उपलब्ध नहीं थी।

बटालियन ने 05 दिसंबर 1971 को अपना ऑपरेशन शुरू किया। सैनिक दो अलग-अलग टुकड़ियों में दुश्मन के इलाके में घुसे, 'किटा' में अपने तय मिलन-स्थल पर पहुँचे और 06 दिसंबर की देर रात चाचरो से छह किलोमीटर पहले अपना कमांडो बेस बना लिया। एक छोटे से युद्धाभ्यास के बाद, 07 दिसंबर को सुबह 04:00 बजे चाचरो पर हमला बोल दिया गया। अच्छी तरह से किलेबंद दुश्मन के साथ एक तेज और बिजली जैसी फुर्ती वाली मुठभेड़ में, चाचरो पर कुछ ही घंटों में कब्जा कर लिया गया। इस कार्रवाई ने दुश्मन को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया; उन्हें यह यकीन हो गया कि टैंकों से लैस एक बहुत बड़ी सेना उनके इलाके में तबाही मचा रही है। कमांडो ने दुश्मन की इस मानसिक उथल-पुथल का फायदा उठाया और 08 दिसंबर की देर रात तक सफलतापूर्वक वीरावाह पर भी हमला कर दिया। कुछ ही घंटों अंतर्गत नागरपारकर के तहसील मुख्यालय पर भी हमला किया गया। अपना काम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, दोनों टुकड़ियाँ 10 दिसंबर तक वापस लौट आईं।

दुश्मन के कुल 13 सैनिक मारे गए और 17 युद्धबंदी पकड़े गए; इसके अलावा भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध-सामग्री भी जब्त की गई। इसके बाद के दिनों में, 10 पैरा (एसएफ) को दक्षिण की ओर फिर से भेजा गया और युद्धविराम की घोषणा होने से पहले, उसे इस्लामकोट के सामान्य इलाके में एक बार फिर अच्छी सफलता मिली।

भौतिक और क्षेत्रीय लाभ से कहीं बढ़कर, इस आक्रमण की सबसे बड़ी उपलब्धि अंदर जाकर सर्जिकल और साहसी कार्रवाई थी, जिसने दुश्मन के मनोबल को बुरी तरह तोड़ दिया; नतीजतन, दुश्मन ने कई मोर्चे काफी पहले ही खाली कर दिए, जिससे पीछे-पीछे आ रही मुख्य सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण इलाकों पर जल्द कब्जा करना आसान हो गया। बटालियन ने अपने कमांडिंग ऑफिसर (सीओ), लेफ्टिनेंट कर्नल (बाद में ब्रिगेडियर) सवाई भवानी सिंह के करिश्माई नेतृत्व के अंतर्गत उन्होंने पूरे युद्ध के दौरान मोर्चे से आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उस समय भारतीय सेना के लिए विशेष अभियानों की यह एक बिल्कुल नई अवधारणा थी, जिसे 10 पैरा (एसएफ) द्वारा बेहद शानदार तरीके से अंजाम दिया गया।

बटालियन को निम्नलिखित सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए:-

बैटल ऑनर	- 'चाचरो'
थिएटर ऑनर	- 'सिंध 1971'
महावीर चक्र	- 01
वीर चक्र	- 02
सेना पदक	- 03
मेंशन-इन-डिस्पैचेस	- 05

विज्ञप्ति

एसीडब्ल्यूएफ डोनेशन क्यूआर कोड - दिशानिर्देश

आर्मी सेंट्रल वेलफेयर फंड (एसीडब्ल्यूएफ) एक अनुदान-आधारित कल्याण कोष है, जिसकी स्थापना स्वतंत्रता से पहले वीर नारियों, पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों की सहायता के लिए की गई थी। एसीडब्ल्यूएफ में दिए गए अनुदान पर आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत 100 प्रतिशत कर छूट का लाभ मिलता है।

क्यूआर कोड योजना का उद्देश्य

नागरिकों के लिए योगदान देना आसान बनाने हेतु, भारतीय सेना ने क्यूआर कोड-आधारित डिजिटल अनुदान सुविधा शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाना और व्यक्तियों को सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण में सहयोग देने के लिए एक सरल, त्वरित और सुरक्षित माध्यम उपलब्ध कराना है।

लोकेशन प्रदर्शित करना

- एसीडब्ल्यूएफ क्यूआर कोड को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जा सकता है, जैसे:
- युद्ध स्मारक और संग्रहालय
- सीएसडी आउटलेट्स और ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स
- सैन्य स्टेशनों के अंदर शॉपिंग सेंटर और ऑडिटोरियम
- सार्वजनिक कार्यक्रम, जैसे ईएसएम रैलियाँ, उत्सव और स्मारक दिवस समारोह

प्रदर्शन और रखरखाव

सभी प्रदर्शन स्थानों के लिए संबंधित फॉर्मेशन मुख्यालय से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है।

- क्यूआर कोड को स्पष्ट और आसानी से पहुँच योग्य स्थानों पर, उचित सूचना पट्टों के साथ लगाया जाना चाहिए।
- प्रदर्शित सामग्री मौसम से होने वाले नुकसान और किसी भी प्रकार की तोड़-फोड़ से सुरक्षित होनी चाहिए।
- अनुदान के लिए केवल आधिकारिक एसीडब्ल्यूएफ क्यूआर कोड ही अधिकृत है।

सुरक्षा और प्रबंधन

फॉर्मेशन मुख्यालय क्यूआर कोड की सुरक्षा, रखरखाव और उनके दुरुपयोग या डुप्लीकेशन को रोकने के लिए जिम्मेदार हैं।

अनुदान का उपयोग

क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त सभी योगदानों का हिसाब केंद्रीय रूप से रखा जाता है और एसीडब्ल्यूएफ नियमों के अनुसार, इनका उपयोग पूरी तरह से भारतीय सेना समुदाय के कल्याणकारी कार्यों के लिए किया जाता है।

- खाते का विवरण इस प्रकार है :-
  आर्मी सेंट्रल वेलफेयर फंड, खाता संख्या 520101236373338
  यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईएफएससी कोड यूबीआईएन 0530778
- आर्मी सेंट्रल वेलफेयर फंड में दिए गए योगदान पर आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के खंड (IIIHC) के तहत 100% छूट प्राप्त है।
- इस योगदान का उपयोग वीर नारियों, पूर्व सैनिकों, सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए किया जाएगा।
- अनुदान की प्रक्रिया पूरी होते ही रसीद तुरंत डाउनलोड कर लें।

सेना/नौसेना/वायुसेना वीरता पदक विजेताओं को रेलवे रियायत

भारत सरकार ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत सेना/नौसेना/वायुसेना वीरता पदक विजेताओं या उनके जीवनसाथी (विधवा/विधुर, जब तक वे पुनर्विवाह न कर लें) अथवा मरणोपरांत पदक पाने वाले अविवाहित विजेताओं के माता-पिता को भारतीय रेलवे की ट्रेनों में प्रथम श्रेणी/2 एसी/एसी चेयर कार में एक साथी के साथ आजीवन नि:शुल्क यात्रा की सुविधा (रेलवे रियायत) प्रदान की जाएगी।

जानकारी के लिए संपर्क करें
प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय
संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com
संपर्क नंबर: 011-23018665
प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718